न्यूज डायरी

अरुणाचल के नजदीक ब्रह्मपुत्र पर नया बांध बनाने जा रहा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लद्दाख। लद्दाख में भारतीय सेना से मात खाया चीन अब पूर्वोत्तर में तनाव बढ़ने का कारण ढूंढ रहा है। अरुणाचल प्रदेश से लगी सीमा के पास एयरबेस और रेल नेटवर्क के विस्तार के बाद अब जिनपिंग प्रशासन एक नए बांध का निर्माण करने जा रहा है। यह बांध ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाया जाएगा, जिसे चीन में यारलुंग त्सांग्पो के नाम से जाना जाता है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने ऐलान किया है कि वह ब्रह्मपुत्र नदी के निचले इलाके में यह बांध बनाएगा जो भारत की सीमा के नजदीक है। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर जिस नए डैम को बनाने की योजना बना रहा है वह उसके थ्री जॉर्ज डैम के बराबर की होगी। हालांकि, अभी तक इस परियोजना को लेकर चीन ने कोई बजट जारी नहीं किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन के इस नई परियोजना से भारत के साथ उसका विवाद और भी बढ़ सकता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को शुरू से मान्यता देने से इनकार करता रहा है।

बाइडेन के जीतते ही अमेरिका की नाक के नीचे पहुंचा चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन ने जो बाइडेन के राष्ट्रपति चुनाव जीतते ही अमेरिका को घेरना शुरू कर दिया है। जिनपिंग प्रशासन ने अमेरिका के करीब स्थित जमैका को कर्ज और हाईवे बनाने के लिए तकनीकी देने की पेशकश की है। अगर जमैका चीन के इस उपहार को स्वीकार कर लेता है तो अमेरिका के नाक के नीचे तक चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की पकड़ हो जाएगी। ऐसा नहीं है कि चीन ने जमैका को अपने पाले में करने का प्रयास अभी से करना शुरू किया है। बीमारी फैलाकर दवा बांटने वाले अपने अभियान के तहत चीन ने जमैका को पहले ही कोरोना वायरस के टेस्टिंग किट, मास्क और वेंटिलेटर के कई बड़े शिपमेंट भेजे हैं। इतना ही नहीं, चीन वहां के सुरक्षाबलों और सेना को कई सुरक्षा उपकरण भी दान में दिए हैं। चीन की सरकार लोन के अलावा, चीनी कंपनियों के निवेश, राजनयिक और सांस्कृतिक आदान–प्रदान बढ़ाने की भी कोशिश कर रही है। इसी के कारण जमैका में सांस्कृतिक केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया गया है। यहां की सरकार ने भी चीन के इस पेशकश का स्वागत किया है।

इमरान खान के ईशनिंदा वाले ट्वीट पर भड़का यूएन वॉच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और संयुक्त राष्ट्र समर्थित संस्था यूएन वॉच के बीच अभिव्यक्ति की आजादी के मुद्दे पर जुबानी जंग देखी जा रही है। इमरान खान ने फ्रांस पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया था कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर ईशनिंदा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इसके बाद ही यूएन वॉच ने उनके इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि आपकी संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संगठन (यूएनएचआरसी) में मौजूदगी बर्दाश्त के बाहर है। पाकिस्तान के ऊपर लगातार मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। इसके बावजूद इस साल चीन और रूस के साथ पाकिस्तान को भी संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संगठन का सदस्य बनाया गया है। उस समय भी यूएन वॉच ने एक बयान जारी कर पाकिस्तान के सदस्य बनने पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

कंगाली में पाकिस्तान और सऊदी ने वापस मांगा अपना 2 बिलियन डॉलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान इन दिनों मुफलिसी की जिंदगी गुजर बसर कर रहा है। इस बीच उसके सबसे बड़ा श्दाताश सऊदी अरब ने अपने दो बिलियन डॉलर का कर्ज वापस मांग लिया है। ऐसे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान फिर से अपने सदाबहार दोस्त चीन के सामने नए कर्ज के लिए हाथ फैलाने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि पाकिस्तान चीन से कर्ज लेकर सऊदी को 2 बिलियन डॉलर (318 अरब पाकिस्तानी रुपये) का कर्ज दे सकता है। क्योंकि, वर्तमान में पाकिस्तान के कर्ज चुकाने वाले खजाने में केवल 1 बिलियन डॉलर की राशि ही बची है। पाकिस्तान के कश्मीर को लेकर किए गए बर्ताव से नाराज सऊदी अरब ने मई में ही अपने वित्तीय समर्थन को वापस ले लिया था।

नागोर्नो–काराबाख की राजधानी तक पहुंची अजरबैजानी सेना

चिंता

आर्मीनिया को भारी नुकसान, तुर्की से सैन्य सहायता ले सकता है अजरबैजान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बाकू। अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच 27 सितंबर से शुरू हुई लड़ाई अब भी जारी है। इस दौरान अजरबैजान की सेना ने तुर्की और इजरायली हथियारों के दम पर आर्मीनिया को भारी नुकसान पहुंचाया है। जानकारी के अनुसार, नागोर्नो–काराबाख की राजधानी स्टेपानाकेर्ट पास बसे शुशी शहर पर अजरबैजानी सेना ने कब्जा कर लिया है। जिसके बाद से आर्मीनिया की सेना में स्टेपानाकेर्ट की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

उधर अजरबैजान के राष्ट्रपति राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने कहा है कि अगर आर्मीनिया से उन्हें हमले का खतरा बनता रहता है तो वह तुर्की से सैन्य सहायता को स्वीकार कर लेगें। माना जा रहा है कि अगर इस युद्ध में तुर्की की प्रत्यक्ष भागीदारी होती है तो इससे आर्मीनिया की स्थिति और खराब हो सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान हालात अच्छे हैं ऐसे में हमें तुर्की के सैन्य सहायता की अभी कोई जरूरत नहीं है।

स्टेपानाकेर्ट पर क्लस्टर बमों से किया हमले का आरोपः आर्मीनिया ने आरोप लगाया है कि अजरबैजान की सेना ने नागोर्नो–काराबाख की राजधानी स्टेपानाकेर्ट पर क्लस्टर बमों से हमला किया है। नागोर्नो–काराबाख की आपातकालीन सेवा ने कहा है कि अजरबैजान के इस हमले में उसका कोई नागरिक हताहत नहीं हुआ है। बता दें कि दुनियाभर में क्लस्टर बमों के उपयोग पर पाबंदी है ऐसे में अगर कोई देश इस बम का उपयोग करता है तो उसे युद्धअपराध माना जाता है।

शांति बहाली के लिए पुतिन ने एर्दोगन से की बातः आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच जारी युद्ध को खत्म करवाने के लिए रूस के राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन ने तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन से बात की है। दोनों देशों ने शांति की बहाली के लिए एक संयुक्त कार्यदल बनाने की घोषणा भी की है। पुतिन और एर्दोगन ने शनिवार को संकटग्रस्त क्षेत्र में स्थिति पर चर्चा की थी।

7 सितंबर से जारी है लड़ाईः नगोर्नो–काराबाख इलाके में आर्मीनियाई मूल के लोग बहुसंख्यक हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इसे अजरबैजान का हिस्सा मानता है। सोवियत संघ के विघटन के बाद से ही अजरबैजान इस इलाके पर कब्जे का प्रयास कर रहा है लेकिन उसे कभी भी कामयाबी नहीं मिली है। अपुष्ट खबरों के मुताबिक अभी तक अजरबैजान की सेना ने नगोर्नो–काराबाख के बड़े हिस्से पर अपना कब्जा जमा लिया है।

क्या है इस संघर्ष का इतिहासः आर्मेनिया और अजरबैजान 1918 और 1921 के बीच आजाद हुए थे। आजादी के समय भी दोनों देशों में सीमा विवाद के कारण कोई खास मित्रता नहीं थी। पहले विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद इन दोनों देशों में से एक तीसरा हिस्सा Transcaucasian Federation अलग हो गया।

अमेरिका में जो बाइडन की जीत से खुश पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक नेता जो बाइडन की शानदार जीत के बाद पाकिस्तान उत्साहित नजर आ रहा है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि डॉनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह सार्वजनिक मंचों से बार–बार पाकिस्तान को लताड़ा, उससे पड़ोसी मुल्क खार खाए बैठा है। उनके चार साल के कार्यकाल के दौरान अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध काफी प्रभावित हुए। ऐसे में बाइडन की जीत के बाद पाकिस्तान को अमेरिका से अच्छे रिश्तों की उम्मीद बढ़ी है। इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने साथ जताई साथ काम करने की उम्मीद इमरान खान ने भी बाइडन को बधाई दी है। साथ ही अवैध टैक्स चोरी समेत कई मुद्दों पर अमेरिका के साथ काम करने की उम्मीद जताई है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरयम नवाज शरीफ ने भी बाइडन अमेरिका का राष्ट्रपति बनने पर बधाई दी है। बाइडन के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट किया। उन्होंने जो बाइडन और कमला हैरिस को जीत की बधाई दी।

अमेरिकी लोग निष्पक्ष चुनाव के लायकः मेलानिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पहली बार मेलानिया ट्रंप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने पति की तरह ही राष्ट्रपति चुनावों में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। मेलानिया ने कहा कि अमेरिका में अवैध मतों को नहीं गिना जाना चाहिए। हालांकि, ट्रंप के साथ तलाक की अटकलों को लेकर अभी तक उन्होंने कोई भी बयान जारी नहीं किया है। मेलानिया ने ट्वीट किया कि अमेरिकी लोग निष्पक्ष चुनाव के लायक हैं। हर कानूनी (अवैध नहीं) वोट को गिना जाना चाहिए।हमें पूरी पारदर्शिता के साथ अपने लोकतंत्र की रक्षा करनी चाहिए। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप भी वोटिंग के पहले से ही मेल इन बैलेट में धांधली का आरोप लगाते रहे हैं। यहां तक कि ट्रंप ने अभी तक अपनी हार भी स्वीकार नहीं की है।

जो बाइडेन की मुश्किलें बढ़ाने की तैयारी में डोनाल्ड ट्रंप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन के हाथों मिली करारी शिकस्त को चाहकर भी भूल नहीं पा रहे हैं। यही कारण है कि मतगणना में बाइडेन को निर्णायक बढ़त मिलने के बावजूद अभी तक ट्रंप ने अपनी हार नहीं स्वीकारी है। अब आशंका जताई जा रही है कि 20 जनवरी तक के अपने बचे हुए कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप कुछ ऐसा कर जाएंगे जो नए राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए सिरदर्द साबित होगा।

राजनयिक या व्यापारिक हित में बड़ा फैसला ले सकते हैं ट्रंप एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी विदाई जाते–जाते चीन के खिलाफ ले सकते हैं बड़ा ऐक्शन से पहले डोनाल्ड ट्रंप चीन के खिलाफ राजनयिक और व्यापार के क्षेत्र में कई कड़े फैसले ले सकते हैं। ट्रंप कोरोना वायरस महामारी को लेकर चीन पर सीधे आरोप लगाते रहे हैं। ऐसे में अमेरिका को इस महामारी से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति चीन के खिलाफ कड़े निर्णय ले सकते हैं।

विशेषज्ञों ने जताया ट्रंप पर संदेहः अमेरिकी दूतावास की तरफ से चीन से ट्रेड निगोशिएशन करने वाली टीम के सदस्य और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के फैलो जेम्स ग्रीन ने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप 20 जनवरी से पहले ऐसी कोई शरारत कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन ने कभी भी कोई मानदंड बनाए नहीं रखे हैं।

ट्रंप को निर्णय के लिए सीनेट की मंजूरी जरूरी नहीं: हॉन्ग कॉन्ग की साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के विदेश नीति में ट्रंप जब चाहें तक एक्जिक्यूटिव ऑर्डर या एजेंसी रूल मेकिंग के अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सीनेट की मंजूरी प्राप्त करने की बाध्यता नहीं है। इसके जरिए भी ट्रंप पेइचिंग के खिलाफ कोई कड़ा निर्णय ले सकते हैं। इसके अलावा ट्रंप शिनजियांग में उइगुर मुसलमानों की नजरबंदी और नरसंहार के लिए चीन को दोषी ठहरा सकते हैं।

इजरायल को तबाह कर सकती हैं ईरान की ये किलर मिसाइलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच ईरान ने अपनी अंडरग्राउंड मिसाइल सुरंगों की तस्वीरें जारी की हैं। माना जा रहा है कि ईरान की ये मिसाइलें इजरायल तक सटीक हमला करने में सक्षम हैं। इजरायल और अमेरिका की नजरों से छिपाए रखने के लिए ईरान ने अपने मिसाइल बेस को जमीन के अंदर बनाया है। ईरान की स्टेट टीवी ने कुछ दिन पहले ही नए भूमिगत मिसाइल बेस की तस्वीरें जारी की थी। ईरान ने एक हफ्ते पहले की ऐलान किया था कि उसने फिर से अंडरग्राउंड न्यूक्लियर प्लांट को बनाने का काम शुरू कर दिया है। कुछ महीने पहले ही इजरायल की बमबारी में ईरान के परमाणु संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचा था। जिसके बाद उसने जमीन के अंदर अपने न्यूक्लिर स्टेशन को बनाने की बात कही थी। माना जा रहा है कि ईरान ने फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के तटों पर भूमिगत मिसाइल सिटी की स्थापना की है। ईरानी सेना रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कमांडर मेजर जनरल होसैन सलामी ने इस मिसाइल सिस्टम के अनावरण समारोह में भाग लिया।